Department of Hindi

Outcomes

	PSO-1.पटकथा लेखक, संवाद लेखक, विज्ञापन लेखक
	PSO-2 प्रकाशक, संपादक, संवाददाता
Programme Specific Outcomes	PSO-3. दुभाषिया, अनुवादक, प्रूफ शोधक
	PSO-4. एम.ए., बी. एड., पत्रकारिता, अनुवाद और दूरसंचार : पदविका और पदवी
	PSO-5. मूल्य संवधन : नैतिक, राष्ट्रीय, सामाजिक मूल्यों कासंवधन
	PSO-6. राष्ट्रीय एकात्मता, समानता, बंधुता, उत्तरदायित्व औरवैज्ञानिकता का विकास
	PSO-7. नागरी सेवा परीक्षा
Course Outcome B. A. Hindi **F.Y. B. A. I sem**	
Course	**Outcomes**
	After completion of these courses students should be able to;
वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र 1A हिंदी सामान्य1(G-1) (प्रथम अयन)	CO-1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय हुआ।
	CO-2 हिंदी कहानी साहित्य से अवगत किया।
	CO-3. हिंदी भषा द्वारा संवाद कौशल विकसित हुआ।
	CO-4 मौलिक लेखन की ओर रुझान बढ़ा।
	CO-5 विज्ञापन लेखन कौशल्य विकसित हुआ।
	F.Y. B. A. II sem
वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र 1B हिंदी सामान्य1(G-1) (द्वितीय अयन)	CO-1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय हुआ।|
	CO-2 हिंदी कहानी साहित्य से अवगत किया।
	CO-3. हिंदी भषा द्वारा संवाद कौशल विकसित हुआ।
	CO-4 मौलिक लेखन की ओर रुझान बढ़ा।
	CO-5 विज्ञापन लेखन कौशल विकसित हुआ।
S.Y. B.A. III sem	
आधुनिक काव्य,कहानी तथा व्यावहारिक हिंदी CC-1C (हिंदी सामान्य 2 (G -2) (तृतीय अयन)	CO -1 छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय हुआ।
	CO-2. हिंदी कहानी साहित्य से अवलोकन हुआ।
	CO-3. छात्रों को हिंदी कारक व्यवस्था का ज्ञान हुआ।
	CO-4. शब्द युग्म का अर्थ लिखकर प्रत्यक्ष वाक्य में प्रयोग समझा।
	CO-5 संक्षेपण लेखन का प्रत्यक्ष बोध हुआ।
	CO-6. सर्जनात्मकता का विकास हुआ।
कव्यशाश्त्र DSC-1A (S- 1) (तृतीय अयन)	CO -1 भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय हुआ।
	CO -2 काव्य परिभाषा, तत्व आदि का अवलोकन हुआ।
	CO -3 काव्य के तत्व एवं शब्द शक्तियों का परिचय हुआ।

	CO -4 रस के स्वरुप का अवलोकन हुआ।
	CO -5 भारतीय काव्यशास्त्र में रूचि बढ़ी तथा आलोचनात्मक दृष्टी विकसित हुयी।
मध्ययुगीन काव्य तथा उपन्यास साहित्य S -2 DSC-2A (तृतीय अयन)	CO -1 कबीर के साहित्य का परिचय हुआ।
	CO -2 मीराबाई के काव्य का परिचय हुआ।
	CO -3 भारतीय उपन्यास की अवधारणा समझ में आयी।
	CO -4 उपन्यास कृति के मूल्यांकन कला का विकास हुआ।
	CO -5 साहित्यिक कृति में प्रस्तुत जीवन मुल्यों ज्ञान हुआ।
अनुवाद स्वरुप एवं व्यव्हार SEC-2A (तृतीय अयन)	CO -1 छात्रों में अनुवाद कौशल्य का विकास हुआ।
	CO -2 अनुवाद के स्वरुप से परिचित हुए।
	CO -3 अनुवाद क्षेत्र का परिचय हुआ।
	CO -4 हिंदी से मराठी में प्रत्यक्ष अनुवाद कार्य किया।
	CO -5 अंग्रेजी से हिंदी, मराठी अनुवाद कौशल का विकास हुआ।

S.Y.B.A. IV sem	
आधुनिक हिंदी व्यंग्य साहित्य तथा व्यावहारिक हिंदी CC-1D (हिंदी सामान्य 2 (G -2) (चतुर्थ अयन)	CO -1 छात्रों को व्यंग्य पाठ का परिचय हुआ।
	CO- 2 साक्षात्कार कला का परिचय हुआ।
	CO- 3 भाषा का मोबाईल तंत्र का ज्ञान हुआ।
	CO- 4 छात्र पल्लवन कला से अवगत हुए।
	CO-5 छात्रों को कहानी व्यग्य पाठ का बोध हुआ।
साहित्य के भेद DSC-1B (S- 1) (चतुर्थ अयन)	CO -1 छात्र साहित्य के भेद से परिचित हुए।
	CO -2 छात्र पद्य के भेदों से परिचित हुए।
	CO -3 महाकाव्य, खंडकाव्य और मुक्तक काव्य से छात्र परिचित हुए।
	CO -4 छात्रों में नाट्य अभिनय की रूचि का विकास हुआ।
मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक साहित्य S -2 DSC-2B (चतुर्थ अयन)	CO -1 रहीम के काव्य का बोध हुआ।
	CO -2 बिहारी की कव्यभिव्यंजना का बोध हुआ।
	CO -3 हिंदी नाटक और रंगमंच से ज्ञात हुए।
	CO -4 छात्रों में अभिनय गुण विकसित हुआ।
	CO -5 छात्र नाट्यआलोचना से अवगत हुए।
माध्यम लेखन SEC-2B (चतुर्थ अयन)	CO -1छात्रों को माध्यम लेखन का परिचय हुआ।
	CO -2 सृजनात्मक लेखन कौशल विकसित हुआ
	CO -3 श्रव्य –दृश्य माध्यमों की भाषा का ज्ञान हुआ।
	CO -4 छात्र माध्यम लेखन कला से परिचित हुए।

T.Y.B.A	
HI 3097 हिंदी सामान्य -3 (G-III)	CO-1. छात्रों को हिंदी की आत्मकथा विधा का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-2. छात्रों को हिंदी की दीर्घ कविता और काव्य नाटक के विकास का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-3. छात्रों को सरकारी पत्र लेखन की विभिन्न पद्धतियों का ज्ञान प्राप्त हुआ ।
	CO-4. छात्रों को पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं का ज्ञान प्राप्त हुआ।
	CO-5. छात्रों मे अनुवाद करने का कौशल्य विकसित हुआ।
	CO-6. छात्रों को कार्यालयीन हिंदी के स्वरूप का परिचय प्राप्त हुआ।
HI 3098 हिंदी साहित्य का इतिहास (S-III)	CO-1. छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-2. छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास के कालखंडों एवं उनके नामकरण का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-3. छात्रों को हिंदी साहित्य के प्रतिनिधि रचनाकारों का महत्व,प्रदेय, प्रभाव आदि का ज्ञान प्राप्त हुआ।
	CO-4. छात्रों को हिंदी साहित्य के विकासक्रम तथा साहित्य केपरिवतनों के कारणों का ज्ञान प्राप्त हुआ।
	CO-5. छात्रों मे साहित्य और युग जीवन का संबंध विशद करने की क्षमता निर्माण हुई।
	CO-6. छात्रों को आधुनिक युग की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक साहित्यिक परिस्थिति का ज्ञान प्राप्त हुआ।
HI 2099 काव्यशास्त्र (S -IV)	CO-1. छात्रों को काव्यशास्त्र के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त हुआ।
	CO-2. छात्रों को काव्य के हेतु तथा प्रयोजनों का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-3. छात्रों को काव्य के तत्व तथा शब्द शक्तियों का ज्ञान प्राप्तहुआ।
	CO-4. छात्रों को रस के स्वरूप, भेद एवं अंगो का शास्त्रीय ज्ञान प्राप्त हुआ।
	CO-5. छात्रों मे नाटक और एकांकी के रसास्वादन की दृष्टि विकसित हुई।
	CO-6. छात्रों की आलोचना का स्वरूप, उपयोगिता तथा आलोचक के गुण का ज्ञान प्राप्त हुआ।

Programme Outcomes: M. A. Hindi

Department of Hindi	After successful completion of two year PG degree program in Hindi a student should be able to;
Programme Outcomes	PO-1. छात्रों हिंदी साहित्य के विभिन्न रुपों, विधाओं, प्रवृत्तियों,रचनाओं और रचनाकारों का परिचय प्राप्त हुआ।

	PO-2. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का सैद्धांतिक और अनुप्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त हुआ।
	PO.3. समीक्षात्मक दृष्टिकोन विकसित हुआ।
	PO-4. भाषा और साहित्य के अध्ययन, आस्वादन और मूल्यांकन की क्षमता का विकास हुआ।
	PO-5. साहित्य और युग जीवन का संबध विशद करने का दृष्टिकोन विकसित हुआ।
	PO-6. साहित्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास हुआ।
	PO-7. छात्रों मे हिंदी साहित्य के माध्यम से नैतिक मूल्य,राष्ट्रीय मूल्य तथा सामाजिक मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण हुई।
	PO-8. छात्रों को सरकारीकार्यालयों मे प्रयुक्त कार्यालयीन हिंदी भाषा का परिचय प्राप्त हुआ।
	PO-9. अनुसंधान करने को क्षमता निर्माण हुई।
	PO-10. अनुवादक, दुभाषिया बनने की क्षमता निर्माण हुई।
Programme Specific Outcomes	PSO-1. हिंदी भाषा का व्यवस्थित और यथोचित ज्ञान
	PSO-2. भावात्मक और सौंदयात्मक विकास
	PSO-3. अनुसंधान कता
	PSO-4. निवेदक और सूत्र संचालक
	PSO-5. पटकथा लेखक, संवाद लेखक, विज्ञापन लेखक
	PSO-6. प्रकाशक, संपादक, संवाददाता
	PSO-7. दुभाषिया, अनुवादक, प्रूफ शोधक
	PSO-8.मूल्य संवधन : नैतिक, राष्ट्रीय, सामाजिक मूल्यों का संवधन।
	PSO-9. राष्ट्रीय एकात्मता, समानता, बंधुता, उत्तरदायित्व औरवैज्ञानिकता का विकास
	PSO-10. सृजनात्मक लेखन
	PSO-11. NET /SET परीक्षा
	PSO-12. अध्यापक, प्राध्यापक, हिंदी अधिकारी, हिंदी सलाहकर, हिंदी निदेशक
	PSO-13. प्रबोधक, उपदेशक
	Course Outcome M. A. Hindi **M. A. - I (Semester -I)**
Course	**Outcomes**
	After completion of these courses students should be able to;
मध्ययुगीन काव्य 01 (प्रथम अयन)	CO-1. हिंदी कि मध्युगीन काव्य प्रवृत्तियों का परिचय हुआ।
	CO-2. मध्ययुगीन विशेष कवियों का परिचय हुआ ।
	CO-3 मध्ययुगीन काव्य भषा का परिचय हुआ ।
	CO-4 काव्य मूल्याङ्कन कला का विकास हुआ ।
	CO-5 छात्रों का सर्जनात्मक कौशल विकसित हुआ ।

कथा साहित्य 02 (प्रथम अयन)	CO-1 छात्रों को उपन्यास विधा का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-2 कहानी विधा का परिचय हुआ।
	CO-3 आलोचनात्मक दृष्टी का विकास हुआ।
	CO-4 5छात्रों का सर्जनात्मक कौशल विकसित हुआ
भारतीय काव्यशास्त्र 03 (प्रथम अयन)	CO-1. छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-2. छात्रों को कव्यशात्र के प्रमुख संप्रदाय का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-3. छात्रों मे मौलिक चिंतन की क्षमता विकसित हुई।
	CO-4छात्रों में मूल्यबोध परखने की क्षमता विकसित हुई।
	CO-5. छात्रों मे समीक्षात्मक दृष्टि विकसित हुई।
नाटककार मोहन राकेश 04 (प्रथम अयन)	CO-1. छात्रों को नाटक के स्वरुप एवं संरचना का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-2. छात्र नाटक के रचनाविधान और रंगमंच से परिचित हुए।
	CO-3. छात्र हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-4. नाट्यास्वादन की यथोचित दृष्टि का विकास हुआ।
	CO-5 छात्रों में नाट्याभिनय कौशल का विकास हुआ।
M. A. - I (Semester -II)	
कथेतर गद्य साहित्य 05 (द्वितीय अयन)	CO-1. छात्रों को व्यंग्य , रेखाचित्र , संस्मरण विधा का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-2. विधाओं का भाषिक अध्ययन कौशल विकसित हुआ
	CO-3मौलिक लेखन कौशल का विकास हुआ।
शोध प्राविधि 06 (द्वितीय अयन)	CO-1. शोध प्राविधि के विविध सोपानों का परिचय प्राप्त हुआ
	CO-2. शोध दृष्टी का विकास हुआ।
	CO-3. छात्रों नए शोध प्रवाहों का परिचय प्राप्त हुआ
	CO-4. शोध प्रबंध लेखन एवं शोध प्रक्रिया का कौशल विकसित हुआ
पाश्चात्य साहित्यशास्त्र 07 (द्वितीय अयन)	CO-1. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय प्राप्तहुआ।
	CO-2. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का ज्ञान प्राप्त हुआ।
	CO-3. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की समीक्षा का महत्व ज्ञात हुआ।
	CO-4. छात्रों को आलोचना की विभिन्न प्रणालियों का ज्ञानप्राप्त हुआ।
	CO-5. छात्रों मे समीक्षात्मक दृष्टिकोन विकसित हुआ।
हिंदी उपन्यास08 (द्वितीय अयन)	CO-1. छात्रों को उपन्यास विधा का तात्विक परिचय प्राप्तहुआ।
	CO-2. छात्र उपन्यास को विभिन्न प्रवृत्तियों से अवगत हुए।
	CO-3. छात्रों को हिंदी उपन्यासोंमे अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय प्राप्त हुआ।
	Co-4. छात्रों मे उपन्यास मे अभिव्यक्त जीवन विषयक मूल्यांकन की क्षमता विकसित हुई।

	CO-5. छात्रों मे उपन्यास के आस्वादन, अध्ययन औ रमूल्यांकन की क्षमता विकसित हुई।
M. A. - II (Semester -III)	
आधुनिक काव्य 09 (प्रथम अयन)	CO-1. छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचयप्राप्त हुआ।
	CO-2. छात्रों में आधुनिक काव्य अध्ययन कि दृष्टी का विकास हुआ।
	CO-3. छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकारों का परिचय प्राप्तहुआ।
	CO-4. छात्रों मे काव्य के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की यथोचित दृष्टि विकसित हुई।
भाषा विज्ञान10	CO-1. छात्रों को भाषा विज्ञान के स्वरूप, अंग एवं शाखाओं का ज्ञान प्राप्त हुआ।
	CO-2. छात्रों को भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष का परिचयप्राप्त हुआ।
	CO-3. छात्रों को भाषाविज्ञान अध्ययन की विविध दिशाओं का परिचय हुआ
	CO-4. छात्रों को भाषा विज्ञान को उपयोगिता की नकारी प्राप्त हुई।
	CO-5. छात्रों मे भाषा के प्रयोग के संबध मे समुचित दृष्टिकोन विकसित हुआ।
हिंदी साहित्यका इतिहास 11	CO-1. छात्रों को साहित्यिक प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त हुआ।
	CO-2. छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण के संबंध मे जानकारी प्राप्त हुई।
	CO-3. छात्र आदिकाल, भक्तिकाल तथा रातिकाल के प्रतिनिधिकवियों से परिचित हुए।
	CO-4. छात्रों मे साहित्य और युग जीवन का संबंध विशद करने की क्षमता निर्माण हुई।
	CO-5. आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकालीन युग की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक साहित्यिक परिस्थितियों का ज्ञान प्राप्त हुआ।
संचार माध्यम सिद्धांत और स्वरुप 12	CO-1. छात्रों को संचार माध्यम और संप्रेषण अवधारनाओं का परिचय प्राप्त हुआ ।
	CO-2. छात्रों को संचार माध्यम की अवधारना स्पष्ट हुई ।
	CO-3. छात्र को संचार माध्यम की बहुआयामी भूमिका का ज्ञान हुआ ।
	CO-4 छात्रों में संचार माध्यम लेखन कौशल का विकास हुआ ।
M. A. - II (Semester -IV)	
आधुनिक कविता - 13	CO-1. छात्रों को आधुनिक काव्य को विभिन्न प्रवृत्तियों कापरिचय प्राप्त हुआ।
	CO-2. छात्रों को आधुनिक काल के काव्य के तात्विक स्वरूपका ज्ञान प्राप्त हुआ।
	Co-3. छात्रों में आधुनिक काव्य अध्ययन की दृष्टी विकसित हुई
	CO-4. छात्रों मे काव्य के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन को दृष्टि विकसित हुई।
	CO-5. छात्रों का सर्जनात्मक कौशल विकसित हुआ
हिंदी भषा का विकास 14	CO-1. छात्रों को हिंदी भाषा का उद्भव, विकास तथा ऐतिहासिकपृष्ठभूमि का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-2. छात्र को हिंदी स्वनिम व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त हुआ
	CO-3. छात्र हिंदी की रूप रचना से परिचित हुए।

	CO-4. छात्रों को हिंदो के व्याकणिक स्वरूप और विकास कीजानकारी प्राप्त हुई।
	CO-5. छात्रों को विविध क्षेत्रों में हिंदी भाषा का योगदान के सन्दर्भ में ज्ञान प्राप्त हुआ ।
हिंदी साहित्य का इतिहास15	CO-1. छात्रों को हिंदी गद्य के अविभाव के कारणों एवंपरिस्थितियों का परिचय प्राप्त हुआ।
	CO-2. छात्रों को हिंदो गद्य के विकासक्रम का परिचय प्राप्तहुआ।
	CO-3. छात्रों को गद्यकी विषयवस्तु, भाषा शैली, विचारधारा,प्रभाव आदि का ज्ञान प्राप्त हुआ।
	CO-4. छात्र आधुनिक काल के साहित्य को उपलाब्धियों तथा सीमाओं से अवगत हुए।
	CO-5. छात्रों को आधुनिक गद्यकार एवं कवियों का परिचयप्राप्त हुआ।
भारतीय लोकसाहित्य 16	CO-1. छात्र लोक साहित्य के स्वरूप तथा महत्व से परिचितहुए।
	CO-2. छात्रों को लोक साहित्य को विभिन्न विधाओं का ज्ञान प्राप्त हुआ।
	CO-3. छात्र लोक साहित्य को व्यापकता और उपयोगिता सेअवगत हुए।
	CO-4. छात्र महाराष्ट्र के लोक साहित्य से परिचित हुए।